COURSE LEARNING OUTCOMES

HISTORY AND DEVELOPMENT OF EDUCATION IN INDIA
[MEd]

Student Teachers will be able to:

1. Develop an understanding of the salient features of education in India in Ancient and Medieval times.
2. Know the development of education in British India.
3. Develop an awareness towards the development of education in Independent India including significant points of selected Education.
4. Know the current issues and trends in Education.
5. Understand the promotion of learning in India.
6. Develop an understanding about different Education Commissions.
7. Know the fundamentals of social education.
8. Develop an understanding of different policies in Education.
9. Know about different problems in Indian Education.
10. Develop an insight about different constitutional provisions for Education in India.

Scanned with CamScanner

M.Ed I Sem

शिक्षा का समाजशास्त्रीय परिपेक्ष्य

1. शिक्षा के समाजशास्त्रीय अर्थ व प्रकृति की समझ बन पायेगी।
2. शिक्षा और समाजिक चरो के बीच अर्न्तसंबंधो से परिचित होंगे।
3. सामाजिक स्तरीकरण की प्रकिया व गतिशीलता का शिक्षा से संबंधो को समझ पाने में सक्षम होंगे।
4. सामाजिक परिवर्तन में शिक्षा की भूमिका राष्ट्रवाद व सामाजिक एकता हेतु शिक्षा के महत्व व योगदान को समझ पायेंगे।
5. धार्मिक विश्वासों के माध्यम से समाजहित में शांति बनाये रखने में शिक्षा की भूमिका को समझने में सक्षम होंगे।
6. विश्वस्तरीय समस्याओं जैसे :– आतंकवाद, गरीबी इत्यादि के कारणों की समझ शिक्षा के माध्यम से समझ पायेंगे व समाज पर इनके प्रभावों का विश्लेषण करने में सक्षम होंगें।
7. शिक्षा के माध्यम से धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा व वैश्विक बंधुत्व के प्रति अपनी समझ बना पायेंगे।
8. भारतीय दर्शन व पाश्चात्य स्कूली शिक्षा के बीच तुलनात्मक अध्ययन करने में सक्षम होंगे।

Scanned with CamScanner

M.Ed. 3rd Semester

Gender Perspective and Education Paper XI

Learning Outcomes

- They will be able to develop basic understanding and familiarity with key concepts gender, gender bias gender stereotype empowerment gender parity equity and equality partriachy and feminism.
- They will be able to understand the gradual paradigm shift from women's studies to gender studies and some important landmarks in connection with gender and education in the historical and contemporary periods.
- They will be able to learn about gender issues in school, Curriculum, textual materials across disciplines, pedagogical process and its intersection with class, caste, religion and region.
- They will be able to understand how gender, Power and sexuality relate to education.

Scanned with CamScanner

Course Learning Outcome

Language proficiency [M.Ed.]

The student teachers will be able to:

1. Understand the basic concepts of Language and Linguistics.
2. Identify various figures of speech.
3. Identify different types of imagery as used to describe some scene/person/event/object.
4. Realize the importance of appropriate word choice to create a certain effect.
5. Develop vocabulary strategies which enable them to read more fluently, comprehend the content and gain deeper insight into the meaning of a text.
6. Develop their ability to grasp ideas, think more logically and communicate in a more engaging way.
7. Use dictionaries and thesaurus to locate words, synonyms and antonyms and identify different parts of speech.
8. Differentiate between common punctuation marks.
9. Demonstrate an understanding of punctuation through correct usage.
10. Develop communicative proficiency that involves knowledge and application of grammar.
11. Develop knowledge and awareness of English phonetics.
12. To be familiar with and be able to apply technical terms for

Scanned with CamScanner

M.ED 3rd Sem
Educational Administration and Management

क्र.	विषय वस्तु	सीखने सीखाने की प्रस्तावित प्रक्रिया	सीखने का प्रतिफल
1.	प्रबंधन एक प्रक्रिया	व्याख्यान विधि द्वारा	प्रबंधन का स्वरूप, प्रबंधन की आवश्यकता तथा अच्छे प्रबंधन की विशेषताओं की जानकारी प्राप्त होगी।
2	प्रबंधन के लेवल	Presentation Method से	प्रबंध के अलग अलग स्तर के बारे में छात्रों को जानकारी होगी तथा समझ बनेगी।
3	नेतृत्व क्षमता	प्रायोगिक नाटक विधि द्वारा	नेतृत्व की प्रकृति, अर्थ, सिध्दान्त तथा नेतृत्व का रूप आदि को समझना तथा जानकारी प्राप्त करना तथा करके देखना कि नेतृत्व क्षमता किस प्रकार कार्य करेगी।
4	प्रबंध का सिध्दांत	व्याख्यान विधि द्वारा	प्रबंध का कार्य, सिध्दांत विशेषतायें क्या होती है। प्रबंध का शिक्षा पर प्रभाव समय प्रबंध तकनीक आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करेगें तथा समझ बनायेगें।
5	प्रबंध स्वरूप	Presentation Method से	पाठ्यचर्या विकास का स्वरूप कैसा होगा ये पता चलेगा तथा किस प्रकार निष्पादन होगा ये जानकारी प्राप्त होगी।
6	शिक्षण अधिगम प्रक्रिया	व्याख्यान विधि द्वारा	प्रंबधन में कौन सी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया अपनायी जानी चाहिये ये पता चलेगा

Scanned with CamScanner

			तथा समझ बनेगी।
7	शिक्षा योजना	Presentation Method से	शिक्षा के लिए योजना बनाना किस प्रकार योजना का निर्माण करना ये सब की समझ विकसित होगी।
8	यांत्रिकीकरण प्रबंधन पर	प्रायोगिक विधि द्वारा	प्रबंधन के लिये किन किन तकनीकी का प्रयोग होता है। केन्द्र सरकार का रोल, राज्य सरकार का रोल तथा लोकल बॉडी का रोल शिक्षा प्रंबध के क्षेत्र में क्या होता है, ये समझेगें।
9	वित्तीय प्रंबधन	चित्र प्रदर्शन द्वारा	राष्ट्रीय बजट को समझेगें शिक्षा बजट के सिध्दांत , शिक्षा के लिये वित्त के प्रबंध की प्रक्रिया, आय के स्त्रोत, किधर से प्राप्त होते है यह जानकारी प्राप्त होगी।
10	शिक्षा में प्रबंध	व्याख्यान विधि सेमीनार द्वारा, Presentation द्वारा,	Quality का क्या महत्व है, उच्च शिक्षा में प्रबंध का महत्व, Naac का रोल, शिक्षा सुपरवाइजर का महत्व, विशेषता आदि की जानकारी प्राप्त होगी।

Scanned with CamScanner

एम.एड. प्रथम सेमेस्टर, शिक्षक शिक्षा

क्र.	विषय–वस्तु	सीखने–सिखाने की प्रस्तावित प्रक्रियाएं	सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)
1	भारत में शिक्षा का ऐतिहासिक विकास	व्याख्यान सह चर्चा, संगोष्ठियाँ एवं समूह चर्चा वर्चुअल मीटिंग द्वारा विषयवस्तु को प्रस्तुत करना।	शिक्षक शिक्षा के ऐतिहासिक विकास की जानकारी प्राप्त होगी।
			शिक्षक शिक्षा की आवश्यकता, महत्व, अवधारणा एवं संरचना की समझ विकसित होगी।
			शिक्षक–शिक्षा का अर्थ प्रकृति एवं दायरा को समझ पाएंगे।
			विभिन्न स्तरों पर (पूर्व प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक एवं हायर सेकेण्डरी स्तर पर) सेवा पूर्व एवं सेवाकालीन व्यावसायिक शिक्षा की वर्तमान भारतीय परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त होगी।
			विभिन्न स्तरों पर शिक्षक–शिक्षा के उद्देश्यों की समझ विकसित होगी।
			शिक्षक शिक्षा द्वारा कला, शिल्प शारीरिक शिक्षा, गृह विज्ञान, तकनीकी इत्यादि (क्षेत्रों) विषयों में प्रशिक्षण के स्वरूप को समझ सकेंगे।
2.	शिक्षक–शिक्षा की सामग्री, शिक्षक शिक्षा का सिद्धांत तथा अवधि	व्याख्यान और चर्चा, सेमिनार संगोष्ठी एवं समूह चर्चा द्वारा विषय–वस्तु का प्रस्तुतीकरण करना।	शिक्षक–शिक्षा में निर्देशात्मक तरीकों का उपयोग करने की समझ विकसित होगी।
			शिक्षक शिक्षा के लिए नई तकनीको जैस माइक्रो–टीचिंग, मेक्रो–टीचिंग, प्रोग्राम लर्निंग का प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है इसकी समझ विकसित होगी।
			सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का शिक्षक–शिक्षा के क्षेत्र में समुचित उपयोग कर सकने में समर्थ होंगे। (जैसे – वर्चुअल और ई–मोड में अध्यापन के लाभ से परिचित होंगे)
			अभ्यास शिक्षण का महत्व, पर्यवेक्षक (इंटर्नशिप के संबंध में) एवं शिक्षा महाविद्यालयों को

Scanned with CamScanner

			विद्यालयों के साथ संबंध की समझ विकसित होगी।
3.	शिक्षक–शिक्षा में मूल्यांकन प्रक्रियाएं	व्याख्यान, समूह चर्चा, संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का आयोजन कर विषय–वस्तु का प्रस्तुतीकरण	आकलन का अर्थ प्रकार (आंतरिक एवं बाह्य) व मूल्यांकन की नई तकनीक सीख पाएंगे।
			शिक्षक शिक्षा पर विभिन्न आयोगों की सिफारिसों (कोठारी आयोग, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, NCTE नीति की जानकारी प्राप्त होगी एवं उनके क्रियान्वयन के वर्तमान स्वरूप को जान पाएंगे।
			विभिन्न स्तरों पर शिक्षक की भूमिका एवं कार्यों की जानकारी प्राप्त कर उसके पेशेवर स्वरूप के विकास हेतु वांछित योग्यताओं को समझ सकेंगे।
			शिक्षक पेशे की आचार संहिता एवं नैतिक दायित्वों को जान पाएंगे।
			शिक्षक शिक्षा के स्वरूप में सुधार लाने हेतु किए जाने वाले सुझाव दे पाएंगे।
4.	अनुसंधान और शिक्षक शिक्षा	व्याख्यान समूह चर्चा संगोष्ठियों के द्वारा विषय वस्तु को प्रस्तुत करना।	शिक्षक शिक्षा में अनुसंधान की आवश्यकता एवं उपयोगिता की समझ विकसित होगी।
			शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले क्रियात्मक अनुसंधानों की गुणवत्ता विकास के प्रयासों को जानेंगे तथा क्रियात्मक अनुसंधान करने में समर्थ हो पाएंगे।
			शिक्षक शिक्षा में अनुसंधान के क्षेत्रों (जैसे–शिक्षण प्रभावशीलता, प्रवेश के मानदण्ड, शिक्षक के व्यवहार में संशोधन, शैक्षिक सरोकारों की प्रभावशीलता इत्यादि) की जानकारी प्राप्त करेंगे।
			शिक्षक–शिक्षा की वर्तमान समस्याओं को पहचान कर उनके समाधान की दिशा में शोध कार्य करने की समझ विकसित होगी।
			शिक्षक शिक्षा के लिए अभ्यास विद्यालयों के महत्व को समझ सकेंगे।

Scanned with CamScanner

			समावेशी कक्षा के लिए शिक्षकों के प्रशिक्षण, विशेष विद्यालयों की अवधारणा तथा विशेष विद्यालयों के लिए अध्यापकों को किस प्रकार तैयार किया जाना चाहिए इसकी जानकारी प्राप्त करेंगे।
			शिक्षक–शिक्षा में प्रौद्योगिकी के एकीकरण एवं उपयोगिता को जान सकेंगे।
5.	शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों एवं एजेंसियों के प्रकार	व्याख्यान सह चर्चा, संगोष्ठियाँ एवं समूह चर्चा वर्चुअल कक्षाओं के द्वारा विषय वस्तु को प्रस्तुत करना।	सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा की संकल्पना, अर्थ, प्रकृति एवं आवश्यकता की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
			सेवापूर्ण शिक्षक शिक्षा की अभिकल्पना अर्थ, प्रकृति एवं आवश्यकता को जानेंगे।
			सेवाकालीन एवं सेवापूर्ण शिक्षक–शिक्षा के वर्तमान स्वरूप की जानकारी होगी तथा दोनों के मध्य अंर्तसंबंध जान सकेंगे।
			शिक्षक शिक्षा के लिए चलाए जा रहे उन्मुखीकरण एवं पुनश्चर्या (Refresher) पाठ्यक्रमों की जानकारी प्राप्त होगी।
			शिक्षक–शिक्षा की एजेंसियों जैसे – UGC, NCERT, SCERT, CTE मुक्त विश्वविद्यालय आदि के स्वरूप संगठन एवं कार्यप्रणाली को समझ सकेंगे।
			विश्वविद्यालयों के शिक्षा विभागों और शिक्षक संगठनों की कार्यप्रणाली अकादमिक योग्यता आदि को समझ सकेंगे।

Scanned with CamScanner

रिसर्च मेथोडोलाजी
एम.एड. ~~प्रथम~~ द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	विषय–वस्तु	सीखने–सिखाने की प्रस्तावित प्रक्रियाएं	सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)
1.	शैक्षिक अनुसंधान के अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र, महत्व और आवश्यकता	व्याख्यान विधि, समूह चर्चा द्वारा प्रस्तुतीकरण	शैक्षिक अनुसंधान के अर्थ क्षेत्र, प्रकृति, महत्व और आवश्यकताओं में समझ बन पायेगा।
2.	वैज्ञानिक जांच और सिद्धांत विकास–दृश्य अनुसंधान में उभरते रूझान	समूह चर्चा, प्रश्नोत्तर विधि के द्वारा विश्लेषण	वैज्ञानिक जांच और सिद्वांत के विकास पर उनकी समझ बन पाएगी।
3.	शैक्षिक अनुसंधान के क्षेत्र और ज्ञान उत्पन्न करने के विभिन्न स्त्रोत	संवाद विधि, कथन विधि और समूह चर्चा द्वारा प्रस्तुतीकरण	शैक्षिक अनुसंधान के क्षेत्र और ज्ञान के स्त्रोत में अपनी अच्छी समझ बना पायेंगे।
4.	अनुसंधान प्रस्ताव	प्रत्यक्ष विधि, उदाहरण विधि व्याख्यान विधि द्वारा प्रस्तुतीकरण	अनुसंधान प्रस्ताव की समझ बन पायेगी।
5.	शैक्षिक अनुसंधान के प्रकार–मौलिक लागू और क्रियात्मक अनुसंधान	समूह चर्चा, व्याख्यान विधि के द्वारा विश्लेषण	शैक्षिक अनुसंधान के प्रकारों के प्रति समझ बन पायेगी।
6.	शैक्षिक अनुसंधान की विधियां – 1. मात्रात्मक अनुसंधान 2. गुणात्मक अनुसंधान 3. अनुसंधान समस्या चर और परिकल्पना 4. जनसंख्या और न्यादर्श 5. जनसंख्या और न्यादर्श	समूह चर्चा, व्याख्यान विधि प्रश्नोत्तर विधि प्रश्नोत्तर विधि द्वारा प्रस्तुतीकरण	शैक्षिक अनुसंधान की विधियों को अच्छे से समझ पायेंगे।
7.	अनुसंधान के विभिन्न चरणों के उद्देश्य और आवश्यकता	कथन विधि, समूह चर्चा संवाद विधि के द्वारा प्रस्तुतीकरण	अनुसंधान चरणों के उद्देश्य और आवश्यकताओं को समझ पायेंगे।
8.	शैक्षिक अनुसंधान के उपकरण और तकनीक अर्थ और उपकरण के प्रकार	प्रश्नोत्तर विधि, समूह चर्चा तथा विश्लेषण विधि द्वारा प्रस्तुतीकरण	शैक्षिक अनुसंधान के उपकरण और प्रकार के प्रति समझ बन पायेगी।
9.	एक अच्छे मापन उपकरण और मानकीकरण प्रक्रिया के गुण	कथन विधि संवाद विधि व्याख्यान विधि से विश्लेषण	मापन के उपकरण और मानकीकरण प्रक्रिया के गुण की समझ बन पायेगी।
10.	डेटा का संग्रह और संग्रह के तरीके	उदाहरण विधि समूह चर्चा के द्वारा (प्रोजेक्टर विधि) प्रस्तुतीकरण	डेटा का कलेक्शन किस प्रकार किया जाना है समझ बन पायेगी

Scanned with CamScanner

11.	वर्णनात्मक सांख्यिकी का महत्व और उपयोग	संवाद विधि प्रश्नोत्तर विधि प्रत्यक्ष विधि के द्वारा प्रस्तुतीकरण	वर्णनात्मक सांख्यिकी के महत्व और उपयोग के प्रति समझ बन पायेगी।
12.	केन्द्रीय प्रवृत्ति के उपाय माध्य मध्यिका बहुलक	उदाहरण विधि संवाद विधि प्रोजेक्टर विधि के द्वारा प्रस्तुतीकरण	माध्य, माध्यिका और बहुलक में समझ बन पायेगी।
13.	पैरामीटर, सांख्यिकी नमूना वितरण नमूना त्रुटि और मानक त्रुटि की अवधारणा	प्रश्नोत्तर विधि, समूह चर्चा, कथन विधि के द्वारा विश्लेषण	अनुभवात्मक तरीके में समझ बना पायेगी।
14.	महत्व के स्तर – आत्मविश्वास सीमां, स्वतंत्रता की विधि, त्रुटि के प्रकार	व्याख्यान विधि, कथन विधि, समूह चर्चा के द्वारा प्रस्तुतीकरण	महत्व के स्तर में समझ बन पायेगी (स्वतंत्रता की डिग्री, त्रुटि के प्रकार)
15.	शैक्षिक अनुसंधान रिपोर्ट लेखन प्रारूप, शैली, सामग्री और अध्यायीकरण	प्रश्नोत्तर विधि, संवाद विधि उदाहरण विधि के द्वारा प्रस्तुतीकरण	शैक्षिक अनुसंधान के रिपोर्ट लेख के प्रति समझ बन पायेगी।

Scanned with CamScanner

एम.एड. (प्रथम सेमेस्टर)

भाषायी प्रवीणता / भाषा – प्रावीण्यता

Sem – I - Pepar – IV

- भाषा विज्ञान के अर्थ, क्षेत्र को जान सकने में सक्षम होंगे।
- अलंकार तथा रस की अवधारणा को समझ भाषायी सृजनात्मकता के विकास में इनका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।
- लेखन कौशल और इसके विविध आयामों को समझ कर संवाद लेखन, चित्र यात्रा, त्यौहार, आत्मकथा आदि का लेखन और वर्णन कर सकने में सक्षम हो सकेंगे। लेखन दक्षता का विकास होगा। अभिव्यक्ति की दक्षताओं का विकास होगा।
- शब्द और इसके विविध स्वरूपों को समझ सकने में सक्षम होंगे।
- शब्द–भंडार में वृध्दि कर सकेंगे। स्वंय के शब्दकोष का निर्माण कर सकेंगे।
- कक्षा–शिक्षक में बच्चों को इसके लिए विभिन्न अवसर उपलब्ध कराने में सक्षम हो सकेंगे।
- भाषा के अर्थ–निर्माण और सौन्दर्य–निर्माण प्रक्रिया में विराम–चिन्हों के महत्व को समझ सकने में सक्षम हो सकेंगे तथा इनका सही उपयोग करेंगे तथा अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने में सक्षम होंगे।
- भाषा के क्रिया रूपों की समझ विकसित होगी।
- भाषा के व्यावहारिक – स्वरूप की जानकारी होगी।
- शब्द की तरह ही वाक्य भेद और इसके विभिन्न विषयों की समझ बन सकेगी। अपनी बातचीत में इसका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।
- अपनी बातचीत अथवा लेखन को प्रभावशाली और उपयोगी बना सकने में सक्षम हो सकेंगे।
- बहुभाषिक कक्षा की समझ विकसित होगी। अपनी बातचीत में विविध भाषाओं के मुहावरे / लोकोक्तियों का समावेश कर प्रभावशाली बनाने में सक्षम हो सकेंगे। बच्चों को प्रेरित करने में सक्षम होंगे।
- ध्वनि–विज्ञान की अवधारणाओं से परिचित होंगे तथा इसके विभिन्न नियमों को जानकर अपनी तथा अपने विद्यार्थियों की भाषा को परिष्कृत करने में सक्षम हो सकेंगे।
- भाषा सीखने–सीखाने के नए नए अवसरों की पहचान करने में सक्षम हो सकेंगे। भाषायी संवेदनशीलता एवं दक्षताओं का विकास होगा।

Dr. Seema Agrawal
C.T.E. Shankar Nagar,
Raipur C.G.

Scanned with CamScanner

Mrs. A.S. Deshpande

M.Ed 4th Sem. Education for the Differently Abled

UNIT-I

1. शारीरिक अक्षमता वाले बच्चों का वर्गीकरण शारीरिक आधार पर, सामाजिक मनोवैज्ञानिक,मानसिक आधार बताया जायेगा। चार्ट द्वारा प्रस्तुतीकरण।	शारीरिक अक्षमता वाले बच्चों का वर्गीकरण विशेषताओं के आधार पर अन्तर ज्ञात करने में सक्षम होंगे।
2. दृष्टिबाधीता की शिक्षा की अवधारणा लक्षण एवं प्रकारो की जानकारी देना दृष्टि बाधिता के कारण, लक्षण विशेषताओं एवं विभिन्न प्रकारो को चार्ट के माध्यम से अवगत कराना।	दुष्टिबाधीता की शिक्षा की अवधारणा, लक्षण एवं प्रकारों को जान पायेंगे।
3. विकलांगता के संबंध में शिक्षण और सीखने का मनोविज्ञान पर चर्चा करना तथा पाठयक्रम एवं मूल्यांकन को परिभाषित करना तथा विभिन्न अक्षमताओं वाले बालकों के शिक्षण अधिगम प्रकिया पर समूह चर्चा।	छात्राध्यापक विभिन्न अक्षमताओं वाले बच्चों की आवश्यकताओं को समक्ष सकेंगे तभी उनकी शिक्षण अधिगम प्रकिया को जान पायेंगे।
4. दृष्टिबाधीतों के लिए राष्ट्रीय संस्थानो की भूमिका पर चर्चा की जायेगी।	दृष्टिबाधित बालकों के लिए राष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका को जान पायेंगे।

Scanned with CamScanner

UNIT-II

1. श्रवण बाधित बालकों के लक्षण,कारण,उपचार की जानकारी देना।	श्रवण बाधित बालकों की पहचान कर पायेंगे।
2. श्रवण बाधित बालाकों की शिक्षा की अवधारण लक्षण एवं प्रकारों की जानकारी देना।	श्रवण बाधित बालको की शिक्षा की अवधारणा लक्षण एवं प्रकरों को समझ सकने में सक्षम होते हैं।
3. श्रवण बाधितों के संबंध में शिक्षण और सीखने का मनोविज्ञान पर चर्चा करना तथा पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन को परिभाषित करना।	
4. श्रवण बाधितों के लिए राष्ट्रीय संस्थानो की भूमिका पर चर्चा की जायेगी।	श्रवण बाधित बालकों के लिए राष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका को पहचान पायेंगे।

UNIT-III

1. अस्थी बाधित बच्चों के लक्षण एवं प्रकारों की चर्चा करना। पी.पी.के माध्यम से प्रस्तुतीकरण	अस्थी बाधितों के लिए लक्षण व प्रकारों को समझ पाते हैं तथा उनकी पहचान कर पायेंगे।
2. अस्थी बाधित बालकों के लिए राष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका पर चर्चा करेंगे।	अस्थी बाधित विकलांग बालकों के लिए राष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका को जान पायेंगे।

Scanned with CamScanner

UNIT-IV

1. मानसिक रूप से मंदिता के कारण शिक्षा की अवधारणा एवं लक्षण को अवगत करवाना।	मानसिक रूप से मंद लोगों की शिक्षा की अवधारणा एवं लक्षण को समझने योग्य हो जाते हैं।
2. मानसिक रूप से बाधित बालकों के लिए राष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका पर निस्तार से चर्चा की जायेगी।	मानसिक रूप से मंद बालकों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों के शिक्षा में योगदान को समझ पायेंगे।

UNIT-V

1. समाजिक रूप से वंचित और भावनात्मक रूप से परेशान बच्चों की अवधारणा कारण लक्षण एवं प्रकार को समझाना।	समाजिक रूप से वंचित और भावनात्मक रूप से परेशान बच्चों से सबंधित विचारों को जान पायेंगे।
2. विकलांगता और उनकी विशिष्ट आवश्यकता के संबंध में शिक्षण और सीखने का मनोविज्ञान पर चर्चा करना।	विकलांगता और उनकी विशिष्ट आवश्यकता के संबंध में शिक्षण और सीखने का मनोविज्ञान समझने में सहायता मिलेगी।

Scanned with CamScanner

एम.एड. चतुर्थ सेमेस्टर, Curriculum Development

क्र.	विषय–वस्तु	सीखने–सिखाने की प्रस्तावित प्रक्रियाएं	सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)
1.	पाठ्यचर्या के अर्थ एवं संकल्पना	व्याख्यान, समूह चर्चा	पाठ्यचर्या के अर्थ एवं संकल्पना, को समझ पायेंगे।
2.	पाठ्यचर्या विकास की संकल्पना	व्याख्यान, सेमीनार प्रस्तुतीकरण, प्रोजेक्ट निर्माण, स्वअध्ययन	पाठ्यचर्या विकास की संकल्पना को सीखते है।
3.	पाठ्यचर्या विकास की प्रक्रिया का चरण	आई.सी.टी. टूल से अध्ययन, व्याख्यान समूह चर्चा।	पाठ्यचर्या विकास की प्रक्रिया के चरण को समझ पायेंगे।
4.	पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और ईकाई	समूह चर्चा, व्याख्यान कक्षा कार्य	पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं ईकाई को स्पष्ट जान पायेंगे।
5.	दार्शनिक सिद्धांत और पाठ्यचर्या के लिए उनके निहितार्थ	व्याख्यान, समूह चर्चा, कक्षा कार्य	दार्शनिक सिद्धांत को समझ पाते हैं। पाठ में दार्शनिक निहितार्थ को जानना।
6.	पाठ्यचर्या विकास के लिए सामाजिक आवश्यकताएं और उनके निहितार्थ	सेमीनार–प्रस्तुतीकरण, विषय–वस्तु विशेषज्ञों द्वारा चर्चा ।	पाठ्यचर्या विकास में सामाजिक निहितार्थ को समझ पायेंगे।
7.	मनोवैज्ञानिक आवश्यकताएं और पाठ्यचर्या विकास के लिए उनके निहितार्थ	व्याख्यान समूह चर्चा कक्षा कार्य	पाठ्यचर्या विकास में मनोवैज्ञानिक आवश्यकता और उनके निहितार्थ को समझ पायेंगे।
8.	पाठ्यचर्या विकास और शिक्षण–सीखन की प्रक्रिया	विषय विशेषज्ञों द्वारा चर्चा, समूह कार्य	शिक्षण सीखने को प्रक्रिया को जानना।
9.	पाठ्यचर्या विकास की आवश्यकता और क्षेत्र, भविष्य के पाठ्यक्रम के विकास के लिए मानदंड और एक अच्छे पाठ्यक्रम की विशेषताएं	• व्याख्यान • विषय विशेषज्ञों द्वारा चर्चा • सेमीनार प्रस्तुतीकरण	पाठ्यचर्या विकास के मानदण्ड को समझना।
10.	पाठ्यचर्या विकास की रणनीतियाँ	• व्याख्यान • समूह चर्चा • प्रश्नोत्तरी	पाठ्यचर्या विकास की रणनीतियों को समझ पायेंगे।
11.	पाठ्यचर्या विकास की रणनीतियाँ	• व्याख्यान • समूह चर्चा • संगोष्ठी	पाठ्यचर्या विकास के मार्गदर्शक सिद्धांत को जानना।
12.	पाठ्यक्रम का संगठन	व्याख्यान	पाठ्यक्रम के संगठन को समझ पायेंगे।
13.	स्कूल स्तर पर सामान्य उद्देश्यों का गठन और उनके विनिर्देश	• सेमीनार प्रस्तुतीकरण • व्याख्यान	स्कूल स्तर पर सामान्य उद्देश्यों के गठन और उनके विनिर्देश को जान पायेंगे।

Scanned with CamScanner

14.	पाठ्यचर्या विकास में नवाचारों के लिए उत्तरदायी	• व्याख्यान • समूह चर्चा	पाठ्यचर्या विकास में नवाचारों के लिए उत्तरदायी कारकों को समझ पायेंगे।
15.	पाठ्यचर्या विकास में नवाचारों के लिए उत्तरदायी कारक	• आई.सी.टी. टूल का उपयोग द्वारा • समझ • व्याख्यान	पाठ्यचर्या विकास में नवाचारों के लिए उत्तरदायी कारकों को समझ पायेंगे।
16.	पाठ्यचर्या का मूल्यांकन	• व्याख्यान • समूह चर्चा	• पाठ्यचर्या के मूल्यांकन के ढ़ाचागत स्वरूप को जान पायेंगे। • मूल्यांकन के लिए योजना बना पायेंगे। • पाठ्यचर्या सामग्री मूल्यांकन का संचालन करना सीख पायेंगे।

Scanned with CamScanner

Mrs.A.Ambast
Mrs. A.S.Deshpande

M.Ed 3rd Sem.

Iconomic & Political Perspective of Education

Unit –I शिक्षा हेतु आर्थिक उपागम

सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियायें	सीखने के प्रतिफल
1. शिक्षा और अर्थशासत्र के आपसी संबंध पर चर्चा तथा शैक्षिक वित्तीयकरण की अवधारणा को स्पष्ट करना शिक्षा के क्षेत्र में आर्थिक समस्याओं पर समूह चर्चा करना	1.छात्राध्यापक शिक्षा और अर्थशास्त्र के संबंध में समझने योग्य हो जाते हैं। 2. छात्राध्यापक वित्त से संबंधित अवधारणाओं को समझ पाते हैं 3.शिक्षा में विभिन्न आर्थिक समस्याओं का पता लगा कर उसका समाधान ढूंढने में सक्षम होगा।

Unit –II & III

शैक्षणिक वित्त शैक्षिक अर्थशास्त्र एवं योजना निमार्ण

सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियायें	सीखने के प्रतिफल
1.शैक्षिक वित्त की विभिन्न प्रकार सिद्धांत और आय–व्यय के बारे में चर्चा करते हुए राष्ट्रीय शैक्षिक बजट बनाने की प्रकिया को जानना।	शिक्षा के वित्तीय करण के सिद्धांतो को तथा शैक्षिक आय व्यय को समझ कर शैक्षिक बजट बना पाने में सक्षम होंगे।

Unit –IV शिक्षा का राजनेतिक परिपेक्ष्य

सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियायें	सीखने के प्रतिफल
1.स्वतंत्र भारत में शिक्षा की आवश्यकता वैश्विक नवाचार पर चर्चा करना तथा पंचवर्षीय योजनाओं का शिक्षा पर प्रभाव के बारे में समूह चर्चा कराना विभिन्न पंच वर्षीय योजना एवं शिक्षा पर प्रभाव इसपर POwerpoint Presentation	1.शिक्षा की आवश्यकता महत्व और विश्व में शिक्षा के नवाचारो को सीखने और समझने योग्य हो जाएगा। 2.भारत की स्वतंत्रता के बाद विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं का शिक्षा पर प्रभाव जान पाते हैं।

Scanned with CamScanner

Unit –V शिक्षा नीति

1.भारतीय संविधान में शिक्षा के प्रावधानों को समझाना तथा शिक्षा पर राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर काम करने वाली विभिन्न संस्थओं की भूमिका पर चर्चा करना।	1.अभी तक बनाई गई शिक्षा नीतियों और संविधान में शिक्षा के विभिन्न प्रावधानों के समझ पाते हैं।
2. अभी तक बनाई गई विभिन्न शिक्षा नितियों पर चर्चा करना। इसके लिये POwerpoint Presentation जानकारी दी जायेगी।	2. शिक्षा के क्षेत्रों में राष्ट्रीय और स्तर पर काम करने वाले विभिन्न संस्थओं के शिक्षा में योगदान को समझाने योग्य हो जायेंगे।

Scanned with CamScanner

M.Ed. 3rd Semester

Gender Perspective and Education Paper XI

Learning Outcomes

- They will be able to develop basic understanding and familiarity with key concepts gender, gender bias gender stereotype empowerment gender parity equity and equality partriachy and feminism.
- They will be able to understand the gradual paradigm shift from women's studies to gender studies and some important landmarks in connection with gender and education in the historical and contemporary periods.
- They will be able to learn about gender issues in school, Curriculum, textual materials across disciplines, pedagogical process and its intersection with class, caste, religion and region.
- They will be able to understand how gender, Power and sexuality relate to education.

Scanned with CamScanner

एम.एड. चतुर्थ सेमेस्टर, Advanced Eduational Statistics

क्र.	विषय–वस्तु	सीखने–सिखाने की प्रस्तावित प्रक्रियाएं	सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)
1.	प्रायिकत्ता सिद्धांत में प्रसामान्य बंटन	व्याख्यान विधि द्वारा	Normal distribution की प्रकृति की सामान्य जानकारी प्राप्त होगी।
2.	Defects in normality Skewness, Kurtosis	Presentation के द्वारा व्याख्यान विधि	प्रायिक्ता वितरण में तिरछापन तथा कुकुदता (घुमावदार) मापने के तरीको की जानकारी प्राप्त करना
3.	Normal Probabitity Curve	Practice के बहुत से सवालों के द्वारा किया जायेगा	NPC के अनुप्रयोग साख्यिकी मापन, माध्य, माध्यिका, प्रमाप विचलन चतुर्थक विचलन आदि की स्पष्ट जानकारी तथा प्रयोग की जानकारी होगी।
4.	सहसंबंध	व्याख्यान विधि बोर्ड का प्रयोग कर विभिन्न सवाल बनाये जाना	सभी प्रकार के सहसंबंध, सहसंबंध गुणांक, बहु–सहसंबंध, पाशिवि सहसंबंध का प्रयोग तथा महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी तथा क्रियान्वयन किस प्रकार होगा इसकी जानकारी प्राप्त होगी।
5.	The Scaling of tests	Projector Presentation के द्वारा	प्रमाप स्कोर, T test सिगमा स्केल के सूत्र तथा प्रयोग, रीसर्च के संदर्भ में प्रयोग की जानकारी, अलग–अलग test कहां लागू होगे की जानकारी प्राप्त होंगी।
6.	परीक्षण की वैधता	व्याख्यान विधि द्वारा	विभिन्न प्रकार के परीक्षण की वैधता तथा आइटम विश्लेषण किस प्रकार किया जायेगा ये जानकारी प्राप्त होगी।
7.	Analysis of Variacne विचरण विश्लेषण	बोर्ड का प्रयोग कर विभिन्न सवालों के Practice करवा कर	विचरण विश्लेषण किस तरह किया जायेगा तथा विचरण गुणांक का महत्व क्या है इसके अनुप्रयोगों पर प्रकार पडेगा।
8.	विचरण विश्लेषण की विधि	Presentation के द्वारा विचरण विश्लेषण विधि को समझाया जायेगा।	विधि का प्रयोग कैसे व किस प्रकार किया जायेगा इसकी जानकारी प्राप्त होगी। सह–विचरण की विधि व प्रयोग आना ।
9.	Non parametric tests	व्याख्यान विधि द्वारा, बोर्ड का प्रयोग करके समझाना	Non parametric के अर्न्तगत आने वाले सारे test (परीक्षण) की जानकारी प्राप्त होगी काई स्कैवर test साइन test मीडियम test U

Scanned with CamScanner

			test कैसे व कहां प्रयोग किये जाते है इसकी जानकारी प्राप्त होगी।
10.	प्रतीपगमन	व्याख्यान विधि तथा बोर्ड का प्रयोग कर, विभिन्न सवालों को हल करके	प्रतीपगमन की प्रकृति क्या है, महत्व तथा सांख्यिकी के संदर्भ में आवश्यकता जानकारी प्राप्त होना।
11.	Scatter Diagram	बोर्ड का प्रयोग कर	स्कैटर diagram क्या है यह कहां प्रयोग होता है कब बनाया जाता है ये जानना ।
12.	Meaning of Regression	Presentation के द्वारा	प्रतीपगमन के बारे में जानकारी प्राप्त होगी, प्रतीपगमन समीकरण क्या है केसे बनता है तथा कहां उपयोग होगा इसकी महत्वपूर्ण जानकारी कहां पर प्रयोग किया जायेगा तथा Prediction किस प्रकार किया जायेगा इसके द्वारा ये जानकारी प्राप्त होगी।

Scanned with CamScanner

एम.एड. (द्वितीय सेमेस्टर)
शिक्षा के मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य
Sem – II – Pepar – IV

- शिक्षा के मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्यों की जानकारी होगी व समझ बनेगी।
- कक्षा शिक्षक के मनोवैज्ञानिक तरीकों को समझ कर उनका अपनी कक्षा शिक्षण में उपयोग कर सकेंगे।
- विकास सम्बन्धी पाश्चात्य और भारतीय मनोवैज्ञानिकों के मतों की जानकारी होगी।
- भाषायी विकास के स्वरूप की समझ होगी, कक्षा शिक्षण के दौरान छात्राध्यापक बच्चों की भाषायी क्षमता विकास के विभिन्न अवसरों की पहचान कर सकेंगे।
- व्यक्तित्व और व्यक्तित्व मापन क्या होता है, इसकी सही मायनों में पहचान कर सकेंगे।
- बच्चों की सृजन–क्षमता के विभिन्न अवसरों की पहचान कर उनका उपयोग करने में सक्षम होंगे।
- व्यक्तिगत और सामूहिक बुध्दिमता की अवधारणा समझ उनका मापन करने में सक्षम होंगे।
- सृजनात्मक–विकास की विभिन्न विधियों से परिचित होकर उनका अपनी शिक्षण प्रक्रिया में उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।
- शिक्षण के विविध प्रतिमानो की समझ होगी।
- सीखने के विविध सिध्दांतो/तरीकों को समझकर उनका विस्तार कर सकेंगे।
- बाधाओं को हटाने के विभिन्न तरीकों की समझ विकसित होगी।
- कक्षा प्रबंधन और व्यवस्थापन की समझ विकसित होगी।
- शिक्षक के व्यवहार और बालको की उपलब्धि के आपसी सम्बन्धों की समझ विकसित होगी। वे इसे समझ कार्य करने में सक्षम होंगे।

डॉ. सीमा अग्रवाल
(सहा. प्राध्यापक)
C.T.E. शंकर नगर,
रायपुर छ.ग.

Scanned with CamScanner

शिक्षा का दार्शनिक परिपेक्ष्य आधार
एम.एड I चतुर्थ सेमेस्टर

क्र.	विषय–वस्तु	सीखने–सिखाने की प्रस्तावित प्रक्रियाएं	सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)
1.	शिक्षा दर्शन	समूह चर्चा, व्याख्यान, शिक्षा दर्शन का परिचय हेतु शिक्षार्थियों के प्रश्नों का उत्तर दिया जाएगा।	शिक्षा और दर्शन को अच्छी तरह को अच्छी तरह से समझा पायेंगे।
2.	शिक्षा के दर्शन की प्रकृति और कार्य	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, भारतीय दर्शनशास्त्र और भारतीय दार्शनिकों के शैक्षिक विचारो का बुनियादी सिद्धांतों पर परिचर्चा	शिक्षा के दर्शन की प्रकृति और कार्यो के प्रति समझ बन पायेगी और शिक्षा पर दर्शन के प्रभाव को समझ सकेंगे।
3.	दर्शन और शिक्षा के बीच शिक्षा के बीच अन्तर्संबंध	दर्शन और शिक्षा के संबंध पर परिचर्चा, समूह चर्चा, स्मृति स्तर के आधार पर चर्चा किया जाएगा।	दर्शन और शिक्षा के प्रकृति विशेषताओं के आधार पर अन्तर्संबंधों को स्पष्ट कर सकेंगे।
4.	दर्शनशास्त्र की आधुनिक अवधारणा	दर्शन की प्रकृति विशेषताएं, पूर्वानुमान के आधार पर समझ बना पायेंगे। इस पर चर्चा किया जाएगा।	दर्शन शास्त्र की आधुनिक अवधारणा को समझ पायेंगे।
5.	शैक्षिक दर्शन के कार्यक्षेत्र	प्रोजेक्टर के द्वारा व्याख्यान विधि द्वारा विश्लेषणात्मक विधि के द्वारा परिचर्चा किया जाएगा।	शैक्षिक दर्शन के कार्यक्षेत्र को समझ बन पायेगा।
6.	सांख्य, न्याय, वैदिक, बौद्ध, जैन, इस्लाम परम्पराएं	व्याख्यान समूह चर्चा प्रस्तुतीकरण के द्वारा किया जाएगा।	सभी दर्शन के प्रति उनकी समझ बन पाएगा।
7.	ज्ञान, वास्तविकता और मूल्यों, कार्य प्रणाली सार्वजनिक शिक्षक की भूमिका	समूह चर्चा पश्चिमी शिक्षा पर चर्चा के आधार पर प्रस्तुतीकरण	ज्ञान, मूल्यों के प्रति अपनी समझ बना पायेंगे।
8.	कृष्णमूर्ति डॉ. राधाकृष्णन अरविदों तू Educational Thinking	समूह चर्चा प्रस्तुतीकरण	इन दार्शनिकों के प्रति समझ बन पायेगी।
9.	आदर्शवाद, प्रकृतिवाद, व्यावहारिता, यथार्थवाद, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद	तुलनात्मक विधि के द्वारा प्रस्तुतीकरण	सभी की समझ इनसे बन पाएगा
10.	बुनियादी सिद्धांतों के विशेष संदर्भ में इन स्कूलों के शैक्षिक निहितार्थ	समूह चर्चा, प्रोजेक्टर आदि के द्वारा परिचर्चा	बुनियादी सिद्धांतों को समझ सकेंगे।
11.	प्लेटो, रूसो, डीवी का योगदान	प्रयोजन विधि व्याख्यान विधि के द्वारा प्रस्तुतीकरण	इससे प्रयोजनवाद, प्रकृतिवाद के प्रति समझ बना पायेंगे।
12.	मूल्यों का अर्थ	समूह चर्चा के द्वारा विश्लेषण करना	मूल्यों के अर्थ अवधारणा के प्रति समझ बन पायेगी।
13.	विभिन्न आध्यात्मिक नैतिक, सामाजिक, सौंदर्य मूल्यों	व्याख्यान विधि के द्वारा प्रस्तुतीकरण	नैतिक, सामाजिक सौंदर्य आध्यात्मिक मूल्यों की जानकारी हो पाएगी।

Scanned with CamScanner

14.	दर्शन के शैक्षिक निहितार्थ	समूह चर्चा	शैक्षिक विशेषताओं को समझ पायेंगे।
15.	शैक्षिक विचारों का महत्वपूर्ण विश्लेषण (अवधारणा)	समूह चर्चा के द्वारा प्रस्तुतीकरण	शैक्षिक विचारो के प्रति समझ बन पायेगी।
16.	विभिन्न विचारों के ज्ञान मीमांसय दृष्टिकोण	व्याख्यान विधि के द्वारा विश्लेषण	ज्ञान मीमांसा को समझ पायेंगे।
17.	भारतीय और पश्चिमी विचार	व्याख्यान विधि द्वारा प्रस्तुतीकरण	भारतीय और पश्चिमी विचारों को समझ पायेंगे।

Scanned with CamScanner

Mrs. A.S. Deshpande

M.Ed 2nd Sem. Education for the Differently Abled

UNIT-I

1.विशिष्ठ शिक्षा समावेशी शिक्षा एवं एकीकृत शिक्षा में अंतर को उदाहरण द्वारा बताया जाएगा।	छात्राध्यापक विशिष्ठ शिक्षा समावेशी शिक्षा एवं एकीकृत शिक्षा में अंतर समझ पायेंगे।
2.विकलांगता अक्षमता एवं निश्क्कता के अंतर को उदाहरण द्वारा समझाया जाएगा।	विकलांगता अक्षमता एवं निश्क्कता के अंतर को समझ पायेंगे।
3. भारत में विशेष शिक्षा से संबंधित जो भी सांवेधानिक प्रावधान है, उसके बारे में बताया जाएगा। जैसा PWD Act POA आदि। साथ ही विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानो जो कि विकलांगो के पुनरवास के लिए कार्य कर रही है उनकी विशेष जानकारी प्रदान करना	छात्राध्यापक द्वारा विशिष्ठ शिक्षा से संबंधित प्रावधानों को जान पायेंगे।

UNIT-II

1. विभिन्न प्रकार के शैक्षिक हस्तक्षेप किस प्रकार किया जाता है उसके बारे में उदाहरण देकर बताया जाएगा तथा परिवार,समुदाय,सहपाठियों और काउंसलर की भूमिका क्या होनी चाहिए इसपर छात्राध्यापक के विचार आमंत्रित करेंगे। भगोडे बालक नशा पान करने वाले सांवेगिक अस्थिरता शारीरिक रूप से असमर्थ,मानसिक मंदिता इसके बारे में विस्तार से कक्षा में चर्चा की जाएगी। तथा विशेष श्रवण कराया जाना भी शामिल है।	छात्राध्यापक कौन–कौन से शैक्षिक हस्तक्षेप है जान पायेंगे।

Scanned with CamScanner

UNIT-III

1. विशिष्ठ बालकों के प्रकारों के जानकारी दी जाएगी जैसे असाधारण असमर्थ।	विशिष्ठ बालकों की जानकारी कर सकेंगे।
2.विशिष्ठ बालकों में सीखने में होने वाली समस्या और उसके समाधान के बारे में बताया जाएगा।	विशिष्ठ बालकों में सीखने में होने वाली समस्या और उसके समाधान के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. विशिष्ठ बालक कौन से होते हैं उनके प्रकारों पहचान उनकी समस्याऐं और समाधानों पर चर्चा की जायेगी। तथा उनके लिए शैक्षिक कार्यकम और उनकी योजना के बारे में अवगत कराया जाएगा।	विशिष्ठ बालकों की आसान पहचान और शैक्षिक कार्यकम और उनकी योजना के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। विशिष्ठ बालकों के प्रति संवेदन शीलता विकसित हो पाएगी तथा सम्सयाऐं और समाधान और उनके लिए शैक्षिक कार्यकम को समझ सकेंगे।

UNIT-IV

1.असाधारण क्षमता वाले बच्चों के प्रकार एवं उनकी विशेष्ताओं के बारे में चार्चा का आयोजन करना।	असाधारण क्षमता वाले बच्चों के प्रकार एवं उनके विशेष्ताओं के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगं।
2.सृजनात्मक का मापन करना और प्रोत्साहन कार्यकम का आयोजन के बारे में चचार्इ करना	सृजनात्मक का मापन करना एवं प्रोत्साहन कार्यकम के बारे में जान सकेंगे
3. पाठ्यकम – विशिष्ठ बालकों के लिए मूल्यांकन किस प्रकार किया जायेगा उसकी जानकारी प्रदान की जायेगी।	विशिष्ठ बालकों के लिए पाठ्यकम शिक्षण विधि से संबंधित जानकारी प्राप्त कर पायेंगे।

Scanned with CamScanner

UNIT-V

1. समस्यात्मक बालक की अवधारणा एवं उनके प्रकार के बारे में सामूहिक चर्चा जैसे– बाल अपराधी नशा खोर तथा अन्य समस्यायें जैसे अंगूठा चूसना, बिस्तर गीला करना, आदि पर समूहिक चर्चा।	1. समस्यात्मक बालकों की पहचान करने में सक्षम होंगे। 2. समस्यात्मक बालकों की अवधारणा और उसके प्रकार के बारे में जानने में सक्षम होंगे।
2. समस्यात्मक बालकों के कारण तथा उनके लिए कौन–कौन से शैक्षिक कार्यकम चलाए जा रहें हैं उसके बारे में चर्चा करना।	समस्यात्मक बालक के लिए संचालित शैक्षिक कार्यकम को जानने में सहायता मिलेगी।

Scanned with CamScanner

एम.एड. प्रथम सेमेस्टर, शैक्षिक प्रौद्यागिकी

क्र.	विषय–वस्तु	सीखने–सिखाने की प्रस्तावित प्रक्रियाएं	सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)
1	शैक्षिक तकनीक	शैक्षिक तकनीक का परिचय शिक्षण प्रक्रिया में उसका उपयोग व महत्व बतलाने हेतु निम्न प्रक्रियाएं अपनायी जायेगी। 1. समूह चर्चा 2. पी.पी.टी. द्वारा प्रेजेंटेशन किया जायेगा। 3. विशेषज्ञों द्वारा दिशा निर्देश दिया जायेगा। 4. शिक्षार्थियों के प्रश्नों का उत्तर प्रस्तुत किया जायेगा।	आधुनिक युग के अनुरूप शिक्षण सुधार शिक्षण सुधार आवश्यक तकनीकी योग्यताओं से शिक्षार्थियों का परिचय होगा, शिक्षार्थी यह भलि–भाँति समझ पायेंगे की शैक्षिक तकनीक किस प्रकार शिक्षण में सहायक है।
2.	शैक्षिक तकनीक के अवयव साफ्टवेयर व हार्डवेयर	शैक्षिक तकनीक के विभिन्न अवयवों की जानकारी दी जायेगी शिक्षार्थियों को साफ्टवेयर व हार्डवेयर से परिचित कराया जायेगा। पी.पी.टी. प्रेजेंटेशन दिया जाएगा।	शिक्षार्थी साफ्टवेयर व हार्डवेयर से परिचित होंगे, उनके महत्व व शिक्षण प्रक्रिया में उनकी उपयोगिता को समझ सकेंगे।
3.	शिक्षण और निर्देश	शिक्षण और निर्देश के बीच अन्तर को समझने के लिए व्याख्यान रोल प्ले किया जायेगा।	शिक्षार्थी शिक्षण व निर्देश के बीच अन्तर को समझ पायेंगे।
4.	शिक्षण के चरण	शिक्षण के विभिन्न चरणों से परिचित कराया जायेगा इसके लिए समूह चर्चा, व्याख्यान विधि अपनाया जायेगा।	शिक्षण के विभिन्न चरणों की जानकारी होगी।
5.	शिक्षण के विभिन्न स्तर	शिक्षण के विभिन्न स्तरों के बारे में शिक्षार्थियों को सीखाया जायेगा। इसके लिए व्याख्यान व समूह चर्चा किया जायेगा।	शिक्षार्थी शिक्षण स्तरों से अवगत होंगे।
6.	शिक्षा में संचार माध्यम	व्याख्यान समूह चर्चा, पीपीटी प्रेजेंटेशन	संचार माध्यम के संकल्पना को समझ पायेंगे।
7.	संचार के सिद्धांत	व्याख्यान समूह चर्चा कक्षा कार्य	संचार सिद्धांत के सिद्धांतों को समझ पायेंगे।
8.	संचार व अधिगम	समूह चर्चा, कक्षा कार्य, पीपीटी प्रेजेंटेशन	संचार वे अधिगम के बीच व महत्व को समझ पायेंगे।
9.	संचार के तरिके	संचार के विभिन्न तरिकों का समझाने के लिए निम्न प्रक्रियाएं अपनायेंनगे – पीपीटी प्रेजेंटेशन व्याख्यान , विशेषज्ञों का व्याख्यान समूह चर्चा	संचार के विभिन्न तरिकों से अवगत होंगे। उनके बीच अंतरों को समझ पायेंगे।
10.	मल्टीमिडिया	मल्टीमीडिया माध्यम का परिचय	टेक्स्ट, ग्राफिक एनीमेशन को

Scanned with CamScanner

		कराने के लिए व्याख्यान पावर पाइंट प्रेजेंटेशन की प्रस्तुति	समझ पायेंगे।
11.	मल्टीमिडिया एप्लीकेशन	कम्प्यूटर लैब व पीपीटी प्रेजेंटेशन	शिक्षण में उपयोगी व सहायक एप्लीकेशन से परिचित हो सकेंगे।
12.	शैक्षिक साफ्टवेयर एप्लीकेशन	आई.सी.टी. लैब की सहायता से व्याख्यान, समूह चर्चा पी.पी.टी. प्रेजेंटेशन	शिक्षार्थी शिक्षण से संबंधित व शिक्षण से सहायक साफ्टवेयर से परिचित होगे व उसके उपयोग में समर्थ होंगे।
13.	समेकित शिक्षा (शैक्षिक तकनीकी के संदर्भ में)	विभिन्न पाठ्यक्रम क्षेत्रों को शैक्षिक तकनीक से जोड़ने के लिए प्रणाली व टेक्नोलॉजी तकनीक का परिचय पीपीटी द्वारा आई.सी.टी लैब द्वारा कराया जायेगा।	समेकित शिक्षा व शैक्षिक तकनी के वृहद उपयोग व महत्व से परिचित होंगे।
14.	ई–लर्निंग	व्याख्या, विशेषज्ञों द्वारा चर्चा, सेमीनार, प्रोजेक्ट वर्क प्रस्तावित है।	शिक्षार्थी ई–लर्निंग से अवगत होंगे उसके उपयोग व भविष्य में महत्व को समझा पायेंगे।
15.	ऑन लाइन लर्निंग	ऑन लाइन लर्निंग के अर्थ महत्व, क्षेत्र को समझाने के लिए पीपीटी प्रेजेंटेशन, विशेषज्ञों द्वारा चर्चा, सेमीनार, प्रस्तावित है।	शिक्षार्थी ऑनलाईन लेर्निंग के उपयोग व क्षेत्र से परिचित होंगे।
16.	ई–लर्निंग क्रियान्वयन व प्रबंधन	समूह चर्चा व्ख्याख्या पीपीटी प्रेजेंटेशन	शिक्षार्थी ई–लर्निंग के क्रियान्वयन व प्रबंधन को सीख पायेंगे।

Scanned with CamScanner

M.ED 4th Sem
Guidance and Counselling

क्र.	विषय वस्तु	सीखने सीखाने की प्रस्तावित प्रक्रिया	सीखने का प्रतिफल
1.	निर्देशन का आधार	व्याख्यान विधि द्वारा	निर्देशन का दार्शनिक परिप्रेक्ष्य सामाजिक परिप्रेक्ष्य तथा मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य के बारे में जानकारी प्राप्त होगी तथा समझ बनेगी।
2	निर्देशन का स्वरूप	Presentation Method से	निर्देशन का अर्थ, प्रकृति, आवश्यकता, परिवार, तथा समाज के संदर्भ में निर्देशन, उद्देश्य आदि को छात्र समझेगें।
3	निर्देशन के प्रकार	चित्र प्रदर्शन, व्याख्यान विधि	निर्देशन के प्रकारों की समझ तथा निर्देशन का क्षेत्र कौन–कौन सा है उसकी समझ बनेगी।
4	विशेष बालको को निर्देशन	व्याख्यान विधि, Presentation Method से	विशेष बालकों के प्रकार, विशेष बालकों की समस्यायें, विशेष बालकों को किस प्रकार के निर्देशन की आवश्यकता होती है इन सबकी समझ बन पायेगी।
5	समूहिक निर्देशन	चित्र प्रदर्शन, नाटक विधि द्वारा	सामूहिक निर्देशन की तकनीक और स्वरूप के बारे में जानकारी लेगें तथा इसके महत्व को समझेंगे।
6	मनसिक स्वच्छता /सुरक्षा	Presentation Method से	मनसिक स्वास्थ्य के सिध्दान्त क्या है ?

Scanned with CamScanner

			मानसिक स्वास्थ्य किस प्रकार लागू किया जाना है इत्यादि की समझ होगी।
7	निर्देशन सेवा	Presentation Method से, व्याख्यान विधि	निर्देशन सेवा क्या है ? व्यक्तिगत तथा सामूहिक में निर्देशन सेवा किस प्रकार उपयोगी है, ये समझेगें तथा निर्देशन सेवा का क्या उपयोग है।
8	निर्देशन कार्यक्रम का क्रियान्वयन	प्रायोगिक विधि / नाटक विधि	निर्देशन कार्यक्रम को किस प्रकार लागू करना है, क्रियान्वयन किस प्रकार करना है इस सबकी समझ बन पडेगी।
9	तकनीकी का प्रयोग	Presentation Method से, चित्र प्रदर्शन विधि	निर्देशन व परामर्श में तकनीकी का प्रयोग किस प्रकार होता है tools का प्रयोग कैसे करना है, ये सीख पायेगी।
10	कार्य विश्लेषण	व्याख्यान विधि द्वारा	कार्य विश्लेषण क्या है, स्वरूप आवश्यकता, महत्व के बारे में समझेगें तथा यह जान पायेगें कि कार्य विश्लेषण क्यों आवश्यक है।
11	ऑनलाईन कार्य स्टडी	प्रायोगिक विधि द्वारा	ऑनलाईन किस प्रकार कार्य विश्लेषण किया जायेगा। कार्य किस तरह किया जायेगा से समझ बनेगी।

Scanned with CamScanner

M.ED 2nd Sem
Guidance and Counselling

क्र.	विषय वस्तु	सीखने सीखाने की प्रस्तावित प्रक्रिया	सीखने का प्रतिफल
1.	निर्देशन व परामर्श	व्याख्यान विधि द्वारा	निर्देशन के प्रकृति, आवश्यकता, उद्देश्य को समझेगें, शिक्षा के साथ सम्बंध क्या है, उसे समझेगें तथा शिक्षक की क्या भूमिका है।
2	निर्देशन के प्रकार	व्याख्यान विधि द्वारा	निर्देशन के प्रकार तथा सिध्दांत, प्रकृति उद्देश्य को समझ सकेगें।
3	शैक्षिक निर्देशन के सिध्दांत	प्रदर्शन विधि, व्याख्यान विधि द्वारा	पाठ्यक्रम में निर्देशन किस प्रकार शामिल होता है, इसकी समझ बनेगी, कक्षा में किस प्रकार निर्देशन कार्य होता है, इसे समझेगें।
4	व्यवसायिक निर्देशन के सिध्दांत	व्याख्यान विधि, Presentation Method से	कार्य की प्रकृति, कार्य विश्लेषण को छात्र समझ सकेगें तथा यह समझ बनेगी कि इनका क्या महत्व है। व्यवसायिक निर्देशन में।
5	व्यक्तिगत निर्देशन	Presentation Method विधि से	व्यक्तिगत निर्देशन क्या होता है, व्यक्तिगत निर्देशित किस प्रकार महत्वपूर्ण है शाला में, व्यक्तिगत निर्देशन की विधियों की समझ बनेगी।
6	समूह निर्देशन	व्याख्यान विधि द्वारा, चित्र प्रदर्शन विधि द्वारा	सामूहिक निर्देशन क्या है ? इसका क्या महत्व है। सामूहिक निर्देशन और व्यक्तिगत निर्देशन की विधियों को समझ पायेगें।

Scanned with CamScanner

7	परामर्श	Presentation Method से	परामर्श का अर्थ क्या है, विशेषता, सिध्दांत, परामर्श की आवश्यकता क्यो होती है इन सब की समझ बनेगी।
8	परामर्श के प्रकार तथा उसकी प्रक्रिया	व्याख्यान विधि तथा Presentation Method से	परामर्श के प्रकारों को जानेगे, परामर्श की प्रक्रिया किस तरह कार्य करती है इसकी समझ बनेगी।
9	परामर्श सिध्दांत	चित्र प्रदर्शन विधि द्वारा	परामर्श के कौन कौन से सिध्दांत होते है तथा कार्य किस प्रकार होता है इसकी समझ बनेगी।
10	समूह में निर्देशन व परामर्श	व्याख्यान विधि, चित्र विधि, Presentation Method से	समूह में निर्देशित व परामर्श की प्रकृति, उद्देश्य, सिध्दांत तथा प्रक्रिया की समझ बनेगी तथा छात्र सीख सकेगें की यह क्यों महत्वपूर्ण है विद्यालय स्तर पर
11	Current Trend	प्रायोगिक विधि द्वारा	निर्देशन तथा परामर्श की क्या मांग है, क्या आवश्यकता है इन सब की समझ बनेगी।

Scanned with CamScanner